



प्रसार भारती/Prasar Bharati
(भारत का लोक सेवा प्रसारक)/(India's Public Service Broadcaster)

दूरदर्शन महानिदेशालय/DG:Doordarshan
दूरदर्शन भवन/Doordarshan Bhawan
कॉपरनिकस मार्ग/ Copernicus Marg
नई दिल्ली-110001/ New Delhi-110001



फा. सं. 904/51/2016-17-एपीआईओ/आरटीआई/दिशानिर्देश/

दिनांक : 16.09.2016

19

कार्यालय जापन

यह पाया गया है कि अधिकांश अधिकारी आरटीआई पावतियां/सूचनार्थ प्रति आरटीआई सैल को स्पीड पोस्ट द्वारा भेजते हैं। इसके अतिरिक्त यह भी देखा गया है कि कुछ केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी अतिरिक्त सूचना उपलब्ध कराने के लिए 2 रुपए की छोटी सी राशि दस्तावेज शुल्क के रूप में आरटीआई आवेदकों से जमा कराने पर जोर दे रहे हैं! इस प्रकार 2 रुपए जमा कराने की सूचना देने में कार्यालय को 30 रुपए या उससे अधिक अतिरिक्त वित्तीय भार वहन करना पड़ रहा है, अतः ऐसी स्थिति से बचे जाने की आवश्यकता है।

2. महानिदेशक, दूरदर्शन ने इस मामले को गंभीरता से लिया है और आरटीआई मामलों का निपटान करने वाले सभी संबंधित अधिकारियों को निम्नवत अपनाने की सलाह दी है :-

- क. कि वे चार-पांच पृष्ठों से कम की सूचना उपलब्ध कराने के मामले में 10 रुपए अतिरिक्त फीस जमा कराने के लिए आवेदक पर जोर नहीं डालेंगे। इससे दो बार सूचना उपलब्ध कराने में पंजीकृत/स्पीड पोस्ट प्रभारों में वहन की जा रही राशि में कमी आएगी।
- ख. उसी केंद्र की आरटीआई आवेतियों संबंधित सूचना स्पीड पोस्ट के बजाए साधारण डाक से भेजी जा सकती हैं तथापि प्रेषण पंजिका का रख-रखाव उपयुक्त रूप से की जाने की आवश्यकता है।
- ग. दूरदर्शन के एक कार्यालय से दूसरे कार्यालयों को सूचना भेजने हेतु इलेक्ट्रॉनिक साधनों जैसे - ई-मेल, फैक्स आदि के इष्टतम उपयोग को अपनाने को प्राथमिकता दें। इससे न केवल स्पीड पोस्ट व्यय में कमी आएगी अपितु तेजी से सूचना प्राप्त करने में भी सुविधा होगी।

3. यह सक्षम प्राधिकारी, महानिदेशक दूरदर्शन के अनुमोदन से जारी किया जाता है।

Dubhat
(दिलीप कुमार भट)

उपनिदेशक (प्रशा.) एवं आरटीआई

सेवा में,

1. सभी केंद्रीय लोक सूचना अधिकारीगण/एफएए, दूरदर्शन महानिदेशालय, दूरदर्शन केंद्रों, दूरदर्शन अनुरक्षण केंद्रों, उच्च शक्ति ट्रांसमीटरों, जोनों, विपणन प्रभागों, समाचार केंद्रों आदि।
2. सूचना प्रौद्योगिकी प्रभाग कृपया इसे डीडी इंडिया के आरटीआई बेव पेज पर अपलोड करें।

